.. dainika praarthanaa ..

॥ दैनिक प्रार्थना ॥

ॐ सर्व शक्तिमते परमात्मने श्री रामाय नमः

मेरे राम! मेरे नाथ !!

आप सर्व दयालु हो, सर्व समर्थ हो, सर्वत्र हो, सर्वज्ञ हो । आपको कोटिश नमस्कार ।

आपने साधना के लिये मानव शरीर दिया है और प्रति क्षण दया करते रहते हैं । आपके अनन्त उपकारों का ऋण नहीं चुका सकता । पूजा से आपको रिझाने का प्रयास करना चाहता हूँ ।

अपनी कृपा से मेरे विश्वास दृढ़ कीजिये कि राम मेरा सर्वस्व है । मैं राम का हूँ । सब मेरे राम का है । सब मेरे राम के हैं । सब राम के मंगलमय विधान से होता है और उसी में मेरा कल्याण निहित है ।

अपनी अखण्ड स्मृति दीजिये राम नाम का जप करता रहूँ । रोम रोम में राम बसा है । हर स्थान पर हर समय राम को समीप देखूँ । अपनी चरण शरण में अविचल श्रद्धा दीजिये। मेरे समस्त संकल्प राम इच्छा में विलीन हों । राम कृपा में अनन्य भरोसा रख कर, सदा संतुष्ट और निश्चिन्त रहूँ, शांत रहूँ, मस्त रहूँ ।

ऐसी बुद्धि और् शक्ति दीजिये कि वर्तमान परिस्थिति का सदुपयोग करके पूरा समय और पूरी योग्यता लगाकर अपना कर्तव्य लगन, उत्साह और प्रसन्नचित्त से करता रहूँ । मेरे द्वारा कोई ऐसा कर्म न होने पाये जिसमें मेरे विवेक का विरोध हो ।

सत्य, निर्मलता, सरलता, प्रसन्नता, विनम्रता, मधुरता मेरा स्वभाव हो ।

दुखी को देख कर सहज करुणित और सुखी को देखकर सहज प्रसन्न हो जाऊँ । मेरे जीवन में जो सुख का अंश हो वह दूसरों के काम आये । और, जो दुःख का अंश हो वह मुझे त्याग सिखाये ।

मेरी प्रार्थना है कि आपका अभयस्हस्त सदा मेरे मस्तक पर रहे , आपकी कृपा सदा सब पर बनी रहे, सब प्राणियों में सद्भावना बढ़ती रहे । विश्व का कल्याण हो ।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

By Retired Justice Shri Shiv Dayalji Shrivastav

You can use any name of the Lord that is pleasing to you.

---

[0]Last modification: July 10, 2003